खबर संक्षेप

शनि जयंती में सूर्यकुंड पर होगें विविध अनुष्ठान

मण्डला। विंध्य ज्योतिष विश्लेषण एवं शोध संस्थान के संस्थापक पंडित दयाशंकर मिश्र ने बताया कि 27 मई की रात को शनि जयंती के अवसर पर अनेक संयोग बन रहे हैं भक्तगणों को इन से होने वाले लाभ को अवश्य उठाना चाहिए और आने वाले वर्ष में सुखमय जीवन व्यतीत करें सूर्यकुंड स्थित शनि मंदिर में 27 की रात को शनि जयंती मनाई जाएगी शनि जयंती मानने से जातक को शनिदेव की कृपा तो मिलती है साथ ही राहु और केतु की पीड़ा से कुछ कमी आती है इस जयंती के अवसर पर पंडित दयाशंकर मिश्र ने बताया कि मंडला इकाई द्वारा पिछले लगभग 20 वर्षों से शनि जयंती मनाने का आयोजन किया जा रहा है इस आयोजन में भक्त सम्मिलित होते हैं और सभी भक्तगणों को शनि राहु केतु से होने वाली पीड़ा में कमी आती है विंध्य ज्योतिष एवं विश्लेषण शोध संस्थान मंडला इकाई के आयोजक एके बड़ेरिया ने भक्तगणों से अपील की है कि सूर्यकुंड स्थित शनि मंदिर में पहुंचकर पुण्य लाभ लें।

रपटा पुल मार्ग पर दुर्घटनाओं को न्यौता देती व्यवस्था

एलईडी विज्ञापन बन रहा हादसों का कारण

*** प्रशासन से लोगों ने लगाई गुहार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला शहर में रपटा पुल की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित घाट क्षेत्र, जहां एक प्रमुख मंदिर भी स्थित है, इन दिनों एक गंभीर समस्या का कारण बनता जा रहा है। मंदिर के ऊपर लगाई गई एलईडी वॉल लगातार चलते-फिरते आकर्षक दृश्यों और विज्ञापनों के माध्यम से वाहन चालकों का ध्यान भटका रही है। यह स्थिति दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण देने जैसी है।

स्थानीय नागरिकों और यातायात विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थान किसी भी दृष्टि से ऐसे डिजिटल विज्ञापन के लिए उपयुक्त नहीं है। खासकर तब, जब यह मार्ग रपटा पुल जैसे प्रमुख यातायात केंद्र से जुड़ा हुआ है, जो मण्डला और महाराजपुर को जोड़ता है।

शाम के समय महाआरती के दौरान इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं और सड़क के दोनों ओर वाहन पार्क कर दिए जाते हैं, जिससे यह मार्ग अत्यंत संकीर्ण हो जाता है। ऐसे में एलईडी वॉल पर अचानक बदलते हुए रंगीन दृश्य व संदेश वाहन चालकों के लिए खतरा उत्पन्न करते हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्व-त्यौहारों के समय और किसी भी वीआईपी आगमन के दौरान यह मार्ग और अधिक बाधित हो जाता है, जिससे यातायात पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है।

जब इस विषय पर प्रशासनिक अधिकारियों से बात की गई तो उनकी ओर से कोई स्पष्ट और ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। यह स्थिति दर्शाती है कि प्रशासन अब भी इस गंभीर खतरे को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

यातायात व्यवस्था से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक गलत निर्णय है। ऐसे अत्यधिक सक्रिय डिजिटल विज्ञापन न सिर्फ नियमों का उल्लंघन करते हैं बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं। एलईडी वॉल का स्थान जल्द से जल्द बदला जाना चाहिए ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

ज्ञात हो कि मण्डला शहर के लगभग सभी प्रमुख मार्ग पहले ही होर्डिंग्स और बड़े-बड़े विज्ञापनों से अटे पड़े हैं। अब घाट जैसे संकरे और संवेदनशील स्थान को भी विज्ञापन का माध्यम बना देना न केवल अनुचित है, बल्कि यह लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, एलईडी वॉल को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए एवं इस मार्ग को दुर्घटनारहित बनाए रखने हेतु ठोस उपाय किए जाएं।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई सामाजिक समरसता के पक्षधर-डॉ.एस.एन.खरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोकमाता देवी अहिल्या बाई न्याय प्रियता भार्मिकता एवं परोपकार की प्रतीक थी उन्होंने मंदिरों के निर्माण एवं सामाजिक सुधार के पक्षधर थी। उक्त विचार डॉ.एस.एन.खरे प्रसिद्ध इतिहासकार एवं प्राचार्य जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी शासकीय कन्या महाविद्यालय मण्डला ने पी.एम. कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला में आयोजित लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्मषती के उपलक्ष्य में मुख्य वक्ता की आसंदी से सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने ने कहा कि लोकमाता के जीवन दर्शन एवं उनके द्वारा किये गये दार्शनिक कार्य आज भी हम सबके लिये अनुकर्णीय है। उनके जनकल्याण एवं धार्मिक कार्य जैसे- बनारस में मणिकर्णिका घाट का निर्माण, काषी विष्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार एवं उनसे सम्बंधित ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी साथ ही महेष्वर को अपनी राजधानी बना कर उसे संगीत, साहित्य, कपड़ा उद्योग को केन्द्र के रूप में संरक्षित किया। उनके द्वारा कुएँ, पेड़ एवं धर्मषालाओं के निर्माण जैसे उल्लेखनीय कार्यों के बारे में बताया। प्रष्नमंच प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रष्नमंच प्रतियोगिता में लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी के जीवन अवदान पर केन्द्रित प्रष्नों को पूछा गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए.प्रथम वर्ष के विद्यार्थी ओमनमन पटेल एवं द्वितीय स्थान छात्रा सुहानी पटेल ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.अनिल गुप्ता, डॉ. टी.पी. मिश्रा, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. बी. टेंभरे, डॉ. एस.एस. ज्योतिषी, डॉ. एस.आर. बघेल, डॉ. पी.एल. झारिया, डॉ. गुलबहार खान, डॉ. अंकिता बिसेन आदि समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन डॉ. अलीमा शहनाज सिद्दीकी एवं डॉ.चन्द्रभूषण गुप्त ने किया एवं आभार डॉ.अंकिता बिसेन एवं रामकुमार चौरसिया ने व्यक्त किया।

भगवान राम एवं भगवान शिव एक दूसरे के अनन्य भक्त

*** श्री हरि राम कथा के दूसरे दिवस भगवान शिव की महिमा का वर्णन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

एकल अभियान संभाग महाकौशल भाग रेवांचल अंचल मण्डला में श्री हरि राम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है श्रीराम जी की कथा झारखण्ड निवासी सुश्री गीता कुमारी पानजी के द्वारा श्रवण कराई जा रही है कल कथा के दूसरे दिवस कथा में बताया गया कि भगवान शिव श्रीराम के अनन्य भक्त हैं और जहां भी श्रीराम जी की कथा का वाचन या श्रवण होता है वहां भगवान शिव अवश्य उपस्थित होते हैं भगवान राम के स्मरण मात्र से ही भगवान शिव की प्रसन्नता बढ़ जाती है जब त्रेता युग अयोध्या नगरी में नवमी तिथि पर भगवान राम प्रकट हुये तो भगवान शिव उस समय नारी का रूप धरकर अयोध्या में मौजूद रहे और भगवान राम के जन्मोत्सव का आनंद उठाया। इस अवसर पर तो सभी देवी-देवता अयोध्या में उत्सव का आनंद उठा रहे थे उन्हें किसी को देखने समझने की फुर्सत नहीं रही लेकिन भगवान राम ने भगवान शिव को पहचान लिया और उन्हें मन ही मन नमन किया। भगवान राम जब लंका विजय के लिये जाते हैं तो रामेश्वरम में भगवान शिव की स्थापना करते हैं यह उनकी भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति का परिचायक है। भगवान राम के प्रति भगवान शिव के इस प्रगाढ़ प्रेम को देखकर माता सती के मन में संशय हो जाता है कि जिस तरह भगवान राम सीता माता के विरह में मानव रूप में पीड़ित होकर पृथ्वी लोक में विचर रहे थे उसी दौरान भगवान शिव एवं माता सती का वहां से जाना हुआ भगवान शिव ने श्रीराम को सच्चितानंद भगवान की जय हो कहकर प्रणाम किया तो माता सती अचंभित होकर रह गई कि जो देव के देव महादेव हैं वे एक मानव को सच्चितानंद कहकर प्रणाम कर रहे हैं और बस उन्होंने भगवान शिव से इसी संशय को लेकर प्रश्न कर डाला भगवान शिव जान गये कि सती भगवान राम की माया के वशीभूत हो चुकी हैं और शायद श्रीराम की यही इच्छा है बस उन्होंने उनकी इस इच्छा को प्रणाम करते माता सती को कह दिया कि यदि आपको कोई संशय है तो आप स्वयं जाकर इस बात की परीक्षा क्यों नहीं कर लेती और फिर जिस तरह से माता सती ने परीक्षा ली और यह परीक्षा उनके सती रूप में भस्म हो जाने का जो कारण बनी यह कथा में आगे श्रवण कराया जायेगा। कल की कथा यही पूर्ण हुई कथा के दौरान कथा मंच में भगवान शिव एवं माता सती की सजीव झांकी का चित्रण किया गया इसके साथ ही एकल अभियान के छोटू महाराज द्वारा श्री हनुमान जी के रूप में उपस्थिति सभी श्रोताओं के लिये आकर्षण का केन्द्र रही।

वाहनों की सघन चैकिंग, 3 पर कार्यवाही

मण्डला। परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर और कलेक्टर के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी बिमलेश कुमार गुप्ता द्वारा मण्डला जिले में लगातार वाहनों की चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने शुक्रवार को मण्डला-नैनपुर मार्ग पर नांदिया तिराहा पर वाहनों की सघन चैकिंग की। चैकिंग के दौरान 22 वाहनों की जांच की गई, जिसमें फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, अग्निशमन यंत्र, फर्स्टएड बॉक्स, ओव्हरलोडिंग एवं अधिक किराया लेने आदि की जाँच की गई। चैकिंग के दौरान 3 बस बिना परमिट संचालित पाई गई जिन्हें जप्त कर जिला परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है एवं नियम विरूद्ध चल रहे 3 वाहनों पर मोटरयान अधिनियम 1988 की विभिन्न प्रावधानों के तहत 2500 रूपए का समन शुल्क जमा कराया गया है।

वर्षा जल का संचय ही भू-जल स्तर बढ़ाने का एक मात्र उपाय-कलेक्टर सोमेश मिश्रा

*** निवास विकासखण्ड के मोहगाँव में पानी चौपाल आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

निवास विकासखंड के ग्राम मोहगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पानी चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि वर्षा जल का संचय ही भू-जल स्तर बढ़ाने का एकमात्र उपाय है। हमें बरसात के पानी को अधिक से अधिक मात्रा में रोकना होगा तभी हम अपनी जल की आवश्यकता की पूर्ति कर सकेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार से मोबाइल फोन का उपयोग करने के लिए उसकी बैटरी को चार्ज करना होता है, उसी प्रकार से हमें भूमि से जल का उपयोग करने के लिए इसे भी रिचार्ज करना होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान इसी तरह की परंपरागत जल संरचनाओं को बनाकर वर्षा जल का संचय करने और भूजल स्तर सुधारने का अभियान है। कलेक्टर ने कहा कि हमारे पूर्वज प्रकृति के साथ जुड़े थे, वे जितना इस धरा से लेते थे, उतना ही इसका संरक्षण करते थे। इसलिए हमें अपने पुराने परंपरागत तरीके अपनाकर वर्षा जल का संचय करने और जल के संरक्षण के उपाय अपनाने होंगे।

चौपाल में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष निवास श्रीमती मंजू कुलस्ते ने कहा कि मोहगाँव में भू-जल स्तर बहुत नीचे चला गया है इसलिए मोहगांव में पानी चौपाल का आयोजन किया गया है, जिससे हम सभी भू-जल स्तर सुधारने के लिए किए जा रहे शासन के प्रयासों को समझें एवं अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। भूमिगत जल का स्तर कैसे बढ़ाया जाये ? इसके लिए प्रयास करना हम सबकी जिम्मेदारी है। चौपाल को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने कहा कि जिले में ऐसी पंचायतों को चिन्हित किया गया है जहां भू-जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। इस तरह के चिन्हित पंचायतों में ही पानी चौपाल आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणजन मिलकर ही ग्राम का नजरी नक्शा बनाकर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संचय करने की संरचनाओं को बनाने की योजना बनाने में सहयोग कर सकें।

आज पानी की आवश्यकता बढ़ रही है, इसलिए हमें वर्षा जल का संचय करने और उपलब्ध पानी का सदुपयोग करने की आवश्यकता है। चौपाल में उपाध्यक्ष जनपद पंचायत निवास श्री घनश्याम सूर्यवंशी, एसडीएम निवास शाहिद खान, सीईओ जनपद पंचायत निवास श्रीमती दीप्ती यादव, प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के परियोजना अधिकारी श्री उमेश सिंगरौरे सहित जनपद पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा | **ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर उमड़ा जनसैलाब।**

भुआबिछिया में निकली भारत शौर्य तिरंगा यात्रा

*** हर हाथ तिरंगा और दिल में देश के प्रति सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विनोद रंगमंच में सैनानियों, भारत माता के स्वरूप का स्वागत किया गया।इस देशभक्ति यात्रा में हर हाथ में तिरंगा और हर दिल में देश के लिए सम्मान दिखाई दिया। यात्रा में युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, व्यापारियों और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस तिरंगा यात्रा की शुरुआत राम लीला मैदान से यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि और भारतीय सेना की वीरता को याद किया गया। देशभक्ति नारों से गूंज उठा भुआ बिछिया पूरे मार्ग में "मेरी आन तिरंगा है, मेरी शान तिरंगा है, मेरी जान तिरंगा है" जैसे राष्ट्रभक्ति नारों की गूंज रही। स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और व्यापारियों ने यात्रा में शामिल लोगों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गर्व

नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, एड. प्रतिभा मिश्रा, श्रीमती गर्ग, निमिषा तिवारी ने शौर्य गीत गाए और विचार व्यक्त करते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, भारत सरकार के नेतृत्व की दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नया भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त है और सेना का पराक्रम अब पूरी दुनिया देख रही है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय राज्यमार्ग, साईं तिराहा, जनपद, बाजार, व्यवसायी क्षेत्र गांधी मार्ग होते हुए रामलीला मैदान में समापन हुआ। नागरिक, समाजिक संगठन, संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा की गई।

खबर संक्षेप

योजनाओं के नाम पर एन.जी.ओ भर रहे अपनी जेबे, लोगों की समस्याएं जहां की तहां?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। गैर सरकारी संगठनों का अब एक मात्र उद्देश्य पैसा कमाना होता हुआ जान पड़ रहा है? यदि देखा जावे तो सरकार भी इन गैर सरकारी संगठनों को दिल खोलकर धन मुहैया कराती जा रही है? लेकिन सरकार द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए इन संगठनों को पैसा दिया जाता है, वह उन उद्देश्यों को भूलकर अपनी जेबो को भरने में लगे हुए देखे जाते है? इन गैर सरकारी संगठन व स्वयं सेवी संस्थाओं को विभागों की तरफ से भारी भरकम अनुदान के रूप में सामाजिक कार्यो के क्रियान्वयन के लिए दी जाती है,लेकिन इस राशि का उपयोग सही दिशा में नही हो पाता है,इन संगठनों व संस्थाओं द्वारा सारे काम कागजों पर चलते हुए देखे जाते है, इनमें कई संगठन और संस्थाएं तो सिर्फ कागजों पर चलते हुए पाए जा रहे हैं, इस बात से सरकारी विभाग के अधिकारी भी इंकार नही कर रहे? मगर क्षेत्र में विभिन्न विभाग की योजनाओं के नाम पर दर्जनों एन जी ओ पैसा कमा रहे है? लेकिन विभाग इन पर लगाम नही लगा पा रहा है, इसके चलते योजनाओं का लाभ सही हितग्राहियों को नही मिल पा रहा है, आदिम जाति कल्याण विभाग में रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, शिक्षा व विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गैर सरकारी व स्वयंसेवी संगठनों को अनुदान दिया जाता है, जिसमें अधिकांश योजनाएं केन्द्र सरकार से ही आती है, परंतु इनके लिए राज्य शासन की अनुशंसा लगती है साथ ही जिला स्तर पर संबंधित संगठनों की मानीटरिंग भी की जाती है मगर यह सब मात्र कागजों तक ही सीमित हो नजर आ रहा है? विभागीय सूत्रो का कहना है कि लंबे समय से कई ऐसी स्वयं सेवी संस्थाएं भारी राशि अनुदान के रूप में ले रही है तो बमुश्किल दस फीसदी रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के नाम पर दर्जनों प्रशिक्षण केन्द्र चलाना कागजों पर दिखा दिया जाता है और अधिकारी द्वारा उनकी निरीक्षण रिपोर्ट भी पेश कर दी जाती है? लेकिन इनमें से अधिकांश संगठन आस्तित्व में ही नहीं होते, एन जी ओ के लिए चंद वाली जो योजनाएं चलती है, उनके आवंटन के लिए पूरा नेटवर्क बना हुआ है, इसमें वाकायदा ठेका लिया जाता है और इसके बदले एडवांस राशि एन जी ओ से ली जाती है, शासन प्रशासन में ऊंची पहुंच और अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते प्रोजेक्ट पास हो जाते है और इनकी जांच रिपोर्ट भी ओ के हो जाती है, जिन आदिवासी इलाकों में करोड़ों रूपए की योजनाएं चलाई गई है, जिन इलाको में लगातार यह परियोजनाएं चल रही है, पर यहां के हालात नहीं सुधरे है।

बाहर के तरबूज खरीद लोग कर रहे शक्कर नदी की ककड़ी को याद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। किसी दौर में शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी की धाराएं गर्मी के दिनों में भी प्रवाहित रहकर आमजनों को आकर्षित करती थीं, किन्तु संबंधित प्रशासन की तथा कथित सेवाभावी सामाजिक संस्थाओं की उपेक्षा की बजह से पर्यावरण को संतुलित रखने वाली शक्कर नदी चल रहे बीते हुये मार्च-अप्रैल माह में ही सूख रही है और गर्मी के दिनों में नगर की शक्कर नदी में स्नान करने के शौकीन शहरवासी उदास नजर आ रहे है। रेत विहीन होते चली जा रही शहर की शक्कर नदी की दुर्दशा होने के कारण इस नदी में खरबूज, तरबूज की पैदावार भी प्रभावित हुई है। गौरतलब है कि कभी नगर की जीवन रेखा शक्कर नदी के तट पर गर्मी के मौसम में मीठे स्वादिष्ट तरबूज, खरबूजों की भरपूर पैदावार होती थी जिसके शहर के रहवासी तो दीवाने थें ही साथ ही साथ बाहर भी ट्रकों के माध्यम से यहां के तरबूज, खरबूज जाते थें।

शक्कर नदी रेल पुल के ऊपर पाई गई अज्ञात युवक की लाश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

सनसनी का महौल उस समय निर्मित होने से नही चूक पाया जब लोगों ने शहर के शक्कर नदी रेल पुल पर लगभग 30 - 35 वर्ष के एक अज्ञात युवक की लाश पड़ी हुई देखी गई। बताया जाता है कि इस पुल से समीपस्थ ग्राम केकरा, बरहटा बरेली सहित अनेक गांवों का आना जाना होता है। जब लोग इस पुल से निकल रहे थे उसी दौरान देखा कि किसी अज्ञात युवक की उल्टी लाश पड़ी हुई जिसके पास खून भी फैला हुआ है। इस बात की जानकारी जब पुलिस को लगी तो मौके पर पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुये अपनी कार्यवाही शुरू की गई। वही मौके पर पाये गये शव की पहचान नही हो सकी है। वही जिस स्थिति में लाश पाई गई उससे अनुमान लग रहा है कि जबलपुर से गाडरवारा की ओर जाने वाली किसी ट्रेन से यह व्यक्ति गिरा हुआ होगा और चोट लगने के चलते उसकी मौत हुई होगी..? क्योंकि इस समय पड़ रही भीषण गर्मी से परेशान अधिकांश यात्री ट्रेनों के गेट के पास बैठकर ही यात्रा करते है। जब कोई व्यक्ति लम्बी दूरी की यात्रा कर रहा होता है और गेट के पास उसे ठंडक मिलती है तो नींद का झोका आने के चलते गेट के पास रहने के कारण इस तरह ट्रेन से गिरने की घटनाओं की संभावना बनने से नही चूक पाती है।

शहर के बीटीआई स्कूल में चल रहे समर केम्प का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

स्थानीय पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बी.टी.आई स्कूल में बीते हुये 1 मई से 23 मई तक आयोजित किये गये समर कैंप का उत्साह पूर्वक समापन किया गया। बताया जाता है कि समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साईखेड़ा विकास खंड शिक्षा अधिकारी सुश्री सीमा डोंगरे मौजूद रही। वही अन्य अतिथियों के रूप में प्रतुल इंदुरख्या, एस क मिश्रा भी शामिल हुए। इस दौरान बी.टी.आई स्कूल प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटेल द्वारा समर कैंप कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ करवाई गई।

वही समर कैंप का प्रतिवेदन रिनी जैन द्वारा दिया गया जिसमें समर कैंप में आयोजित सभी गतिविधियों का विवरण उल्लेख से परिपूर्ण था। आयोजित किये गये समर कैम्प में मुख्य रूप से खेलकूद, शारीरिक फिटनेस का संचालन जैन द्वारा किया गया तो सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन रोहित वाल्मीकि तथा संगीत कार्यक्रम का संचालन रुपेश सिंह तथा कंप्यूटर एवं इंग्लिश स्पीकिंग का संचालन कु.रिनी जैन द्वारा करवाया गया। वही मोटिवेशनल गीत के साथ बच्चों द्वारा संगीत में प्रस्तुति दी गई। इस दौरान कंप्यूटर क्लास और इंग्लिश स्पीकिंग के माध्यम से बच्चों द्वारा पीपीटी बनवाई जिसका प्रेजेंटेशन इंग्लिश मे करवाया गया। वही समर कैंप में शामिल बच्चों द्वारा प्रतिवेदन दिया गया। कार्यक्रम में विकास खंड शिक्षा अधिकारी सीमा डोंगरे एवं समस्त अतिथियों द्वारा समर कैंप में सम्मिलित सभी बच्चों को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में विकास खंड शिक्षा अधिकारी सीमा डोंगरे ने कहा की उन्हें बहुत ही खुशी है की पहली बार गाडरवारा मे गवर्नमेंट स्कूल द्वारा समर कैंप आयोजित किया गया जिसमें अधिक से अधिक संख्या में बच्चे सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस समर कैंप में बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति से वह बहुत ही प्रसन्न हुई साथ ही बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर-सुंदर पेंटिंग्स चित्रकला अवलोकन किया और बच्चों द्वारा दी गई संगीतमय प्रस्तुति बहुत ही सराहनीय थी । इस दौरान उन्होंने समर कैंप के सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षक के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की गई। बताया जाता है कि इस समर कैंप का समापन कार्यक्रम का अंत वृक्षारोपण के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख सहयोग राजेश दुबे, मलखान मेहरा, श्रीमति पुष्पा बरहैया, शिल्पीगुप्ता, सुलेखा गुप्ता ,किरण अग्रवाल, प्रमोद राय, के बी कोरव, गोपाल साहू, विजयश्री राय, आलोक सोनी, सुषमा पटवा, आदर्श विद्यालय से देवेंद्र बसेड़िया, ज्योति विश्वकर्मा, रश्मि मैडम, आकांक्षा प्रतिभा राय सहित अन्य लोग मौजूद थें।

देश के वीर सैनिकों के सम्मान में शहीद नगरी चीचली में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज/चीचली। आज हम अपने शहर व गांवों में जिस तरह निश्चित होकर मौज कर रहे है तो उसके पीछे देश के उन वीर जवानों की ही देन है जो अपने परिवार को छोड़कर वार्डर पर तेज तपन हो या फिर ठंड का मौसम 24 घंटे सुरक्षा के लिये तैनात रहते है। वही दूसरी ओर बीते हुये दिनों हमारे पडौसी दुश्मन देश द्वारा जिस तरह पहलगाम में हरकत करते हुये 26 लोगों को मौत के घाट उतारा गया था जिसके चलते हर भारत वासी का खून खौलने से नही चूक रहा था, जिन बहिनों के मांथें का सिन्दूर आतंकियों ने मिटाया गया था इसका बदला हमारे देश के वीर सैनिक जवानों ने आपरेशन सिन्दूर के माध्यम से लेने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश की शान कहे जाने वाले सैनिकों के सम्मान में में जहां तहां तिरंगा यात्रा निकालते हुये उन्हें सम्मान देने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। कोई दुश्मन की करतूत के मात्र चंद दिनों के अंदर ही देश के वीर जवानों द्वारा दुश्मन देश पाकिस्तान को घुटनों पर आने के लिये मजबूर किया गया है उसके चलते जहां हर भारतवासी को इन वीर जवानों पर नाज होने से नही चूक रहा है। इतना ही नही ऑपरेशन सिन्दूर में हमारे देश की नारी शक्ति ने जिस तरह अपनी बहिनों सिन्दूर का बदला किया गया है उसके चलते हर भारतवासी को देश के वीर जवानों सहित महिला शक्ति के योगदान पर सहास पर गर्व होने से नही चूक रहा है। भारत देश की सेना के साहस पराक्रम से सैनिकों के सम्मान में पूरे देश की जनता सेना के साथ खड़ी है। इसी भाव से बीते हुये दिवस शहीद नगरी चीचली के लोगों द्वारा अपने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए मुख्य मार्गो से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तरह ऑपरेशन सिन्दूर मे भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं शौर्य के सम्मान मे राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मंच द्वारा चीचली के द्वारा शहीद नगरी चीचली में तिरंगा यात्रा निकाली गई। बताया जाता है कि यह यात्रा नगरिया मंदिर से शहीद मंसाराम एवं वीरांगना गौरा देवी के स्मारक तक निकाली गई जो चीचली नगर की मुख्य गलियों से होते हुए देशभक्ति के नारो से पीतल नगरी गुंजयमान होते हुये देखी गई।

एनटीपीसी में 'बालिका सशक्तिकरण अभियान जीईएम 2025 का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

समीपस्थ चीचली के पास स्थित एनटीपीसी पावर प्लांट में बीते हुये 21 मई को बालिका सशक्तिकरण अभियान (**GEM**) 2025 का शुभारंभ किया गया। बताया जाता है कि यह आयोजन एक माह का आवासीय प्रशिक्षण के रूप में संचालित किया जावेगा। इस प्रशिक्षण के दौरान परियोजना प्रभावित ग्रामों के सरकारी स्कूलों से पाँचवी कक्षा उत्तीर्ण बालिकाएँ भाग ले रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य इन बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है। शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत परियोजना प्रमुख श्याम कुमार ने दीप प्रज्वलन कर की गई, जिसमें महाप्रबंधक समरेंद्र कुमार रॉय, अवनी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, बालिकाएं सहित उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। वही बालिका सशक्तिकरण अभियान की शुरुआत एनटीपीसी गीत और स्वागत भाषण से हुई। इसके उपरांत **GEM** पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म दिखाई गई। वही पूर्व **GEM** प्रतिभागी बालिकाओं ने अपने अनुभव और प्रतिभा को साझा किया। बताया जाता है कि इस अभियान में प्रतिभागी बालिकाओं को संवाद कौशल, कंप्यूटर साक्षरता, योग, आत्मरक्षा, संगीत, नृत्य, कला, विज्ञान और नेतृत्व क्षमता जैसे विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल उनके शारीरिक, मानसिक, शैक्षणिक और नैतिक विकास को बढ़ावा देगी। अपने संबोधन में श्याम कुमार ने कहा, "**GEM** हमारे संगठन को केवल उत्कृष्टता की ओर नहीं, बल्कि नैतिकता और पारदर्शिता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने की एक प्रतिबद्ध पहल है। जब सुशासन, नैतिकता और प्रबंधन एक साथ चलते हैं तो सतत विकास सुनिश्चित होता है। **GEM** के माध्यम से हम ग्रामीण बालिकाओं को एक ऐसा मंच दे रहे हैं, जहाँ वे अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। वही उन्होंने कहा कि **GEM** 2025 यह सिद्ध करता है कि एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए किस तरह भविष्य की पीढ़ियों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर सकती है। यह पहल शिक्षा, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

जनप्रतिनिधियों द्वारा गंभीरता बरती जावे तो खुल सकते हैं सैकड़ों बेरोजगारों के भाग्य के द्वार....

खंडहर में तब्दील हो रहे नगर में बने हुये अनेक शासकीय भवन, प्रशासन द्वारा जागरूकता नहीं दिखाई जाने के कारण बर्बाद हो रही करोड़ों की सरकारी संपत्ति

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

प्रतिवर्ष देखा जा रहा है कि नगर सहित क्षेत्र में आये दिन शासकीय भवनों के निर्माण को लेकर जहां आधार शिलाएं रखी जा रही है। वही दूसरी ओर आये दिन नगर में नव निर्मित भवनों का अधिकारियों से लेकर नेताओं द्वारा लोकापर्ण करते हुए मिठाईयाँ खाते हुए नगर को सौगाते प्रदान कराने की बात कहते हुये खूब वाही वाही लूटी जा रही है...? जबकि नगर के अंदर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस प्रकार से नगर के अंदर करोड़ो की लागत से बनने वाले इन शासकीय भवनों के निर्माण कार्यो की सच्चाई चंद दिनों के अंदर ही लोगों के सामने आने से नही चूक रही है कि आखिर में शासन द्वारा दिये गये लाखों रूपया में क्या खेल हुआ है..? यदि भवन निर्माण के कार्यो की सच्चाई देखी जावे तो आज से कई वर्षो पूर्व नगर में अनेक ऐसे शासकीय भवनों का निर्माण हुआ है जो आज शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते खंडहर जरूर हो रहे है। मगर उनके निर्माण कार्यो की गुणवत्ता एवं वर्तमान समय में उससे कई गुना अधिक राशि से बनाये जाने वाली शासकीय भवनों की गुणवत्ता में काफी अंदर देखा जा सकता है? कुछ इसी प्रकार की स्थिति नगर में जहां तहां पड़ी हुई शासकीय भूमि की देखने मिल रही है, जिनको लेकर कहा जा रहा है कि जिसकी मर्जी जहां होती है वह शासकीय भूमि को अपने कब्जे में लेते हुए उस पर अतिक्रमण कर आलीसान भवन व दुकानों का निर्माण करते हुए कमाई करने में लग जाता है। इस बात की सच्चाई नगर में आसानी से जहां तहां देखने मिल सकती है...? जबकि गौर किया जावे तो शासन प्रशासन तथा पुलिस व नपा. द्वारा सदा शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने की घोषणाएॅ तो की जाती है पर वास्तविकता यह है कि नगर में पड़ी हुई शासन की बहुमूल्य जमीन अभी तक अतिक्रमण की भेंट चढ़ी हुई है, ऐसे में जाहिर है कि शहर से अतिक्रमण का जाल हटाने को लेकर शासन प्रशासन के दावे खोखले साबित हो रहे है ओर नगर के सौंदर्यीकरण को पूर्णरूप से ग्रहण लगता हुआ जान पड़ रहा है? अक्सर देखा जाता हे कि जब भी नगर में अतिक्रमण हटाने की शुरूआत होती है तो मात्र चंद गरीबों के मकानों को हटाते हुए जब किसी प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा मनमानी तरीके से अतिक्रमण करते हुए पक्का निर्माण किया गया है उसे हटाने की नौबत आते है अतिक्रमण को विराम लग जाता है, जिसके चलते नगर में सौन्दर्यकरण काम अधर में लटका हुआ हुआ जान पड़ रहा है और नगर की शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण हटने की जगह लगातार बढ़ते हुये देखा जा रहा है? उधर देखने में आ रहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शान से अपने आफिसों में बैठे शासकीय अधिकारी इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि व्यापक जनहित में शहर की जर्जर होती शासकीय पुरानी इमारतों की सूची तैयार कर उनको ध्वस्त कराने या फिर उनका जीर्णोद्वार कराने की दिशा में प्रयास किए जाएॅ, जिससे करोड़ो की संपत्ति खंडहर के रूप में तब्दील हो चुकी यह शासकीय इमारते नगर की शोभा बन सके और म.प्र. शासन की राजस्व हानि से बचाया जा सके। वही यदि गौर किया जावे तो इस समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शासन की संपत्ति को लेकर कोई चिंता ही नजर नही आ रही है, जिसके चलते नगर में जहां तहां बने हुए शासकीय करोड़ो की राशि के शासकीय भवनों को बचाने के लिए न तो अधिकारी और न ही क्षेत्र के नेताओ द्वारा किसी भी प्रकार की कोई पहल जा रही है जिसके चलते यह शासकीय भवन लगातार बदहाली का शिकार होने से नही चूक रहे है और इन भवनों में लगी हुई कीमती इमरती लकड़ी से लेकर अन्स सामग्री गायब होते हुये दिखाई देने लगी है? गौरतलब है कि नगर में शासकीय महाविद्यालय का पुराना भवन, पलोटन गंज स्थित कृषि विभाग का विशाल भवन तथा जनपद पंचायत की इमारत, पुरानी पुलिस चौकी के क्वार्टर, थाना के समीप अंग्रेजो के जमाने के पुलिस कर्मियों के क्वाटरे, उप पुलिस अधीक्षक का पुराना बंगला, शासकीय आवकारी विभाग का कार्यालय में बना हुआ भवन जो शोचनीय हालत में होने के साथ साथ वह निरंतर खंडित होते हुये देखे जा रहे है। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत का भवन जो पलोटन गंज स्थित जर्जर होते हुये देखे जा रहे है इस भवन का भीतर के भाग में लोग मूत्रालय के रूप में उपयोग होते हुये देखा जा रहा है जो खुलेआम शासन के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है..। वही इस भवन के रोशनदान, कुछ हिस्सा महफूज होने के बावजूद उसमें लगी सगौन की लकड़ी गायब होते हुये देखी जा रही है। ज्ञातव्य है कि उक्त भवनो की दुर्दशा इस सीमा तक हो चुकी है कि वे कभी भी गिरकर जनहनि का सबब बन सकते है। शहर के जागरूक नागरिकों का मानना है कि यदि उक्त शासकीय इमारतों के जर्जर हालत देख प्रशासन उन्हे तुड़वाने की कार्यवाही करे तो शासन की कीमती जमीन रिक्त हो सकती है और उसमें युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से सौकड़ों दुकानों का निर्माण किया जा सकता है। शहर के निवासियों ने क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे शहर के जर्जर हो रहे इन शासकीय भवनो की दशा का अवलोकन कर उनके अच्छें दिन लाने की पहल करें।

समस्याएं हल न होने से निराश शहर के कुम्भकार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

भीषण गर्मी के चल रहे दौर में कंठो की अपने ठंडे जल से प्यास बुझाने वाले मटको, सुराहियों की जमकर पूछ परख हो रही है। वही शहर के कुम्भकारों के घरों से लोग मटके खरीदकर ले जा रहे है और बाहर से आकर भी कुम्भकार पिछले वर्ष की तुलना में विभिन्न आकार प्रकार वाले मटकों की कीमतों में आश्चर्य में डालनें वाला उछाल आने से बड़ी हिम्मत करके शहरवासी देशी फ्रिज खरीद रहे है। कुम्भकारों का कहना है कि मटके महॅगा बेचना इस साल उनकी मजबूरी है। क्योकि उन्हे आसानी से लकड़ी मिट्टी नही मिल रही है और सरकार की उपेक्षा के चलते उन्हे जिन्दगी बसर करने दूभर हो रहा है। कामथ वार्ड में निवास करने वाले युवा कुम्भकारों ने बताया कि उनके घरो में पीढ़यिों सें मिट्टी के वर्तन, दीपक, देवी देवताओं की मूर्तियॉ बनाने का काम होता आ रहा है। किंतु साल दर साल लकड़ी और मिट्टी के वर्तन बनाने की उपयोगी सामग्री महॅगी होती जा रही है, जिससे ग्राहकी प्रभावित होने के साथ उनकी समस्याएॅ भी बढ़ती जा रही है। कुम्भकारों की सुध सरकार नही ले रही है और अभी तक शासन स्तर पर उनकी पंचायत न बुलाते हुए प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है। कुम्भकारों ने प्रशासन से मॉग है कि उन्हे संवेदन शील ढंग से सस्ती मिट्टी, लकड़ी, बॉस उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करें ताकि कम्भकारों के घरों में पिछड़ेपन का जो अॅधेरा व्याप्त है, वह छॅट सके।

उमस से बेचैन बस यात्रियों की सुध नहीं ले रहा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

इन दिनो तापमान 42 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा छूने बेताब है। सूर्यदेव अपनी प्रखरता से शहरवासियों को हलाकान कर रहे है। इस हालत में भी विडम्बना की बात है कि नगर के रेलवे स्टेशन और नए बस स्टेण्ड पर यात्रियों को वे सुविधाएॅ नही मिल रही है जो फिलहाल जरूरी है। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेट फार्मो का विस्तार न होने से रेलयात्रियों के धूप में बैठ ट्रेनो के आने का इंतजार करना पड रहा है। कुछ इसी प्रकार का का हाल नगर के नए बस स्टेण्ड पर यात्री प्रतीक्षालय का देखने मिल रहा है। जहां पर बस स्टेन्ड का निर्माण चल रहा है। मगर प्रशासन द्वारा चल रहे गर्मी के मौसम में बस यात्रियों के लिये किसी तरह की व्यवस्था उपलब्ध नही कराये जाने के कारण वह परेशान होते हुये देखे जा रहे है और छॉव की कमी की वजह से सिर पर धूप झेलते हुए बसों के आने का इंतजार करना पड़ रहा है। इस स्थिति मे सबसे ज्यादा परेशानी बसयात्रियों के साथ धूप में बैठी महिलाओं, बच्चों को उठानी पड़ रही है। गौरतलब है कि इन दिनो शादियों के शुभ मुहुर्त्त चलने से नए बस स्टेण्ड पर काफी भीड़भाड़ का आलम नजर आ रहा है किंतु प्रशासन बस यात्रियों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है। शहरवासियों का कहना है कि नगर के एकमात्र बस स्टेण्ड की अनदेखी के चलते गर्मी में झुलसते बस यात्रियों का ठंडा पानी तक नसीब नहीं हो रहा है।

नगर की विद्युत व्यवस्था का रख रखाव हुआ भगवान भरोसे

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय स्थानीय बिजली विभाग में बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना पूर्ण रवैये के चलते जहां आम उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर बिजली आफिस में कर्मचारियों की कमी व संसाधनों का आभाव का परिणाम नगर की आम जनता को भोगने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। बताया जाता है कि नगर की संपूर्ण बिजली के रख रखाव की व्यवस्था जहां मात्र चंद कर्मचारियों के कंधों पर होने के साथ साथ सन साधनो के आभाव के कारण लोगों की समस्याओं का निराकरण नही हो पा रहा है..? बताया जाता है कि बिजली विभाग द्वारा शहर की बिजली लाईनों के सुधार कार्य व रख रखाव के लिये कुछ वाहनों को लगाया गया था। मगर उन वाहनों का एग्रीमेंट बीते हुये मार्च माह की आखिरी तारीख में होने के कारण वह बंद हो चुके है। क्योंकि विद्युत विभाग द्वारा जिन वाहनों को नगर की बिजली लाईनों के सुधार हेतु लगाया गया था उसमें पिकप गाडी नशेनी सहित मौजूद रहती थी और जब लाईन मेनों को सूचना मिलती थी तो वह तुरंत मौके पर पहुंचकर बिजली लाईनों सुधार कार्य कर लोगों को परेशानी से निजात दिला देते थें। मगर जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते इस वाहन के एग्रीमेन्ट की अवधि समाप्त होने के बाद नई प्रक्रिया को लेकर बरती गई उदासीनता का परिणाम है कि यहां पर कार्य करने वाले चंद कर्मचारियों के भरोसे ही पूरे नगर की बिजली लाईनों के सुधार कार्य की जिम्मेदारी है। इस स्थिति में वाहन के आभाव में इन कर्मचारियों को खुद ही अपने दो पहिया वाहनों के माध्यम से नशेनी ले जाते हुआ देखा जाता है। क्योंकि बिजली कार्य को खम्बे पर चढ़कर सुधार कार्य करना जहां जान को जोखिम में डालने से कम नही होता है। क्योंकि नगर के हर बिजली खम्बे का हाल इस तरह से देखा जा रहा है कि बिजली कनेक्शनों के चलते वह मकड़ी के जाल की तरह दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस तरह बगैर नशेनी के खम्बे पर चढ़कर कार्य करना कर्मचारियों के लिये खतरे से खाली नही होने के कारण वह नशेनी का उपयोग करने के लिये मजबूर रहते है। मगर अब उनके पास नशेनी युक्त वाहन के आभाव में अपनी मोटर साईकिलों पर नशेनी लेकर आने के लिये मजबूर हो चुके है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि कर्मचारियों को इस तरह अपनी मोटर साईकिल पर इतनी बड़ी नशेनी को लेकर आने जाने के दौरान यदि कोई घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा..? वैसे भी देखा जावे तो बिजली विभाग द्वारा अपने तथा निजी स्तर पर रखे हुये प्राईवेट कर्मचारियों से जिस तरह बगैर सुरक्षा साधन उपलब्ध कराते हुये लापरवाही पूर्वक तरीके से काम लिया जाता है उसके चलते आये दिन कर्मचारियों के साथ घटित होने वाली घटनाओं के चलते मौत होते हुये देखी जाती है..? इस तरह की घटनाओं के बाद बिजली विभाग अपनी ओर से हाथ खड़े करते हुये देखा जाता है कि यह कर्मचारी हमारा नही था ..? इस तरह इस समय नगर की बिजली व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे हो चुकी है। वही दूसरी ओर सनसाधनों के आभाव में बिजली विभाग में कार्य करने वाले शासकीय व निजी कर्मचारियों की जिन्दगी को जहां खतरा पैदा होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर आम लोगों को भी परेशानियों से जूझने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। नगर के लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारियों का यदि इसी प्रकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया बना रहा तो आने वाले बारिश के मौसम में निश्चित नगरवासियों को बिजली की बिकट समस्या से जूझने के लिये मजबूर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

खबर संक्षेप

नॉन इंटरलाकिंग के कारण थमेंगे रेल पहिये, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास कार्य करने के लिए झलावारा स्टेशन पर **IRCON** द्वारा कटनी ग्रेड सेपरेटर लाइन (कटनी-मुड़वारा से) और सिंगरौली दिशा की ओर टाई-लाइन की कनेक्टिविटी के कमीशनिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यक्रम में सम्मिलित होना स्वीकृत किया गया है। यह कार्य बिलासपुर मंडल के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा किया जा रहा है। इस कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबन्धित गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

यह गाडियां रहेंगी रद्द

01 से 07 जून को गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर - भोपाल एक्सप्रेस, 03 से 09 जून को गाड़ी संख्या 18235 भोपाल - बिलासपुर एक्सप्रेस, 02 से 07 जून को गाड़ी संख्या 11265 जबलपुर – अम्बिकापुर एक्सप्रेस, 03 से 08 जून को गाड़ी संख्या 11266 अम्बिकापुर – जबलपुर एक्सप्रेस, 02, 04 एवं 06 जून को गाड़ी संख्या 11751 रीवा – चिरमिरी एक्सप्रेस, 03, 05 एवं 07 जून को गाड़ी संख्या 11752 चिरमिरी - रीवा एक्सप्रेस, 02 एवं 05 जून को गाड़ी संख्या 12535 लखनऊ – रायपुर एक्सप्रेस, 03 एवं 06 जून को गाड़ी संख्या 125356 रायपुर - लखनऊ एक्सप्रेस, 03 एवं 06 जून को गाड़ी संख्या 22867 दुर्ग – निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस, 04 एवं 07 जून को गाड़ी संख्या 22868 निज़ामुद्दीन – दुर्ग एक्सप्रेस, 01 जून को गाड़ी संख्या 18213 दुर्ग - अजमेर एक्सप्रेस, 02 जून को गाड़ी संख्या 18214 अजमेर –दुर्ग एक्सप्रेस, 05 जून को गाड़ी संख्या 18205 दुर्ग – नवतनवा एक्सप्रेस, 07 जून को गाड़ी संख्या 18206 नवतनवा – दुर्ग एक्सप्रेस, 03, 05 एवं 07 जून को गाड़ी संख्या 51755 चिरमिरी – अनुपपुर पैसेंजर, 03, 05 एवं 07 जून को गाड़ी संख्या 51756 अनुपपुर - चिरमिरी पैसेंजर, 02 एवं 07 जून को गाड़ी संख्या 61601 कटनी - चिरमिरी पैसेंजर, 03 एवं 08 जून को गाड़ी संख्या 61602 चिरमिरी - कटनी पैसेंजर रद्द रहेगी।

यह गाडियां चलेंगी परिवर्तित मार्ग से

02 से 06 जून को गाड़ी संख्या 15231 बरौनी – गोंदिया एक्सप्रेस व्हाया बरौनी, कटनी, जबलपुर, नैनपुर, बालाघाट एवं गोंदिया से होते हुए चलेगी। 02 से 06 जून 2025 को गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया – बरौनी एक्सप्रेस व्हाया गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी एवं बरौनी से होते हुए चलेगी।

कुआं में गिरने से घायल युवक की अस्पताल पहुंचाने के पहले हुई मौत

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत अंकुआ गांव में शुक्रवार की दोपहर युवक के कुंआ मे गिरने से घायल होने पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाए जाने पर ड्यूटी डॉक्टर ने परीक्षण दौरान मृत घोषित किया जिसकी सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा कार्यवाही की। घटना के संबंध में बताया गया कि कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत अंकुआ गांव के निवासी स्व. धन्नू बैगा के 35 वर्षीय पुत्र नर सिंह बैगा जो शुक्रवार की दोपहर बैगा मोहल्ला में स्थित अपने घर से यादव मोहल्ला की ओर कुछ लोगों के साथ गया रहा तभी प्यास लगने पर रामसेवक यादव के कुआं से पानी निकाल रहा था। इस दौरान अचानक मिर्गी आने पर युवक नर सिंह कुंआ में गिर गया जिसको देखते ही अनिल बैगा एवं तीरथ बैगा कुआं में कूद कर नर सिंह को बाहर निकालते हुए उसे उसके घर लाए इस दौरान तबीयत ज्यादा खराब होने की स्थिति में परिजनों द्वारा नरसिंह को उपचार हेतु 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर ड्यूटी डॉक्टर दीपक बघेल को दिखाया जिसमें परीक्षण दौरान डॉक्टर ने नर सिंह बैगा की जिला अस्पताल पहुंचाने की पूर्व मृत्यु होना बताते हुए अस्पताल पुलिस को सूचना दी सूचना पर पुलिस के द्वारा पंचनामा एवं अन्य कार्यवाही करते हुए मृतक के शव का पीएम कराने बाद मृतक के अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपा।

नगर में अव्यवस्था का बोलबाला

नियमों की अनदेखी, अवैध वसूली और स्वास्थ्य संकट

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

नगर परिषद की लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के चलते डिंडोरी नगर में सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर अव्यवस्था चरम पर है। केंद्र सरकार के स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम-2014 और राज्य सरकार की पथ विक्रेता योजना-2020 के बावजूद नगर में न तो नियमों का पालन हो रहा है और न ही नागरिकों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है।

अवैध वसूली पर लगाम नहीं

नगर परिषद द्वारा गुमटियों, ठेलों और अस्थाई दुकानों से खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। सूत्रों के अनुसार परिषद के कर्मचारी और अधिकारी ठेकेदारों से मिलकर वसूली करते हैं, जिसमें उन्हें अपना कमीशन भी तय होता है। नर्मदा पुल के उस पार मुड़की रोड क्षेत्र में सब्जी विक्रेताओं से रोजाना वसूली की जाती है, जबकि उनके लिए कोई मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं है।

हॉकर्स कॉर्नर योजना कागजों में सिमटी

शहर में हॉकर्स कॉर्नर विकसित करने की घोषणा की गई थी, जिससे स्ट्रीट वेंडर्स को नियमित स्थान और सुविधाएं मिल सकें, लेकिन यह योजना केवल कागजों तक ही सीमित रही। प्रभारी मंत्री के दौरे के दौरान अस्थाई दुकानों को हटाया गया, लेकिन उनके जाते ही स्थिति फिर से पूर्ववत हो गई, जिससे नागरिकों में असंतोष व्याप्त है।

स्वास्थ्य पर संकट: सब्जी और मांस का एक साथ विक्रय

स्वास्थ्य और स्वच्छता के मानकों की घोर अनदेखी करते हुए वार्ड क्रमांक 04 में सब्जी और मांस-मछली की दुकानों को एक साथ लगाया जा रहा है। मांस से उत्पन्न रक्त, गंध और बैक्टीरिया सीधे ताजे फल-सब्जियों को संक्रमित कर सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

यातायात और अतिक्रमण की समस्या गंभीर

शहर की मुख्य सड़कों और गलियों में स्ट्रीट वेंडर्स की बेतरतीब मौजूदगी से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। फुटपाथ पूरी तरह अतिक्रमित हैं, जिससे पैदल चलने वालों को मुख्य सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि फुटपाथ पैदल यात्रियों का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन डिंडोरी में यह अधिकार पूरी तरह छिन चुका है।

MPEB दफ्तर से कंपनी चौक तक फुटपाथ गायब

शहर के प्रमुख क्षेत्र MPEB कार्यालय से लेकर कंपनी चौक तक सड़क के दोनों ओर फुटपाथों पर दुकानदारों ने कब्जा जमा रखा है। कपड़े, जूते, मोबाइल एसेसरीज समेत कई अस्थाई दुकानें सजी हैं, जिससे पैदल यात्री जोखिम में हैं।

शासन को बनानी होंगी सख्त गाइडलाइंस

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार केंद्र सरकार को दो महीने के भीतर फुटपाथ उपयोग के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस बनानी होंगी और छह महीने के भीतर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन करना होगा। यह न केवल पैदल यात्रियों बल्कि दिव्यांगजनों के लिए भी आवश्यक कदम होगा।

कलेक्टर ने किया बजाग एसडीएम व तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

डिंडौरी। कलेक्टर ने अनुविभागीय कार्यालय एवं तहसील कार्यालय बजाग का औचक निरीक्षण कर राजस्व व प्रशासनिक कार्यों की वस्तुस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।कलेक्टर ने नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, निजी भूमि पर अवैध कब्जा, नक्शा तरमीम सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानी न हो।श्रीमती मारव्या ने कार्यालयीन दस्तावेजों के संधारण, अभिलेखों की अद्यतन स्थिति और कार्य प्रणाली में सुधार हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही कार्यालय में साफ-सफाई, पेयजल एवं नागरिकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, एसडीएम डिंडौरी एवं प्रभारी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भारती मेरावी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, तहसीलदार भरत सिंह बट्टे सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

डिंडौरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 7 जून को प्रस्तावित बैगा सम्मेलन में आगमन को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मारव्या ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने हेलीपेड, पार्किंग, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने आयोजन स्थल की साफ-सफाई, बिजली, मंच व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने बैगा सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों, अधोसंरचना योजनाओं तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण एवं बैठक के दौरान डीएफओ पुनीत सोनकर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, एसडीएम डिंडौरी एवं सहायक आयुक्त प्रभारी जनजातीय कार्य विभाग सुश्री भारती मेरावी, तहसीलदार भरत सिंह बट्टे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी शहीद खान गिरफ्तार

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित टीमों ने किया आरोपी को गिरफ्तार, मोटर साइकिल व मोबाइल जब्त

डिंडौरी। जिले के एक शासकीय महाविद्यालय में बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा से छेड़छाड़, अभद्रता और जबरन मोटर साईकल में बैठाने की कोशिश करने वाले आरोपी शहीद खान को समनापुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया। घटना 21 मई 2025 को उस समय घटित हुई जब पीड़िता परीक्षा देने कॉलेज पहुंची थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा अपने कॉलेज संबंधी कार्यों के लिए ग्राम अमरपुर निवासी शहीद खान की ऑनलाइन दुकान में काम कराती थी। आरोपी ने पीड़िता की सामाजिक पृष्ठभूमि को जानते हुए भी बार-बार उसके मोबाइल नंबर पर कॉल और व्हाट्सएप मैसेज भेजने शुरू कर दिए। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गाली-गलौच करना शुरू कर दिया।

घटना के दिन आरोपी कॉलेज के सामने पहुंचा और छात्रा को जबरदस्ती रोककर हाथ पकड़ते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया तथा अपनी मोटर साइकिल में बैठाने का प्रयास किया। पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर क्रमांक 202/25 अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 74, 75(1)(i), 75(2), 78(1)(ii), 126, 296, 115(2), 351(3) तथा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं 3(1)(R)(S)(W), 3(2)(v-a) के तहत मामला दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया, जिनके निर्देशानुसार समनापुर थाना व संबंधित चौकी से संयुक्त टीमें गठित की गईं। सटीक रणनीति और सामूहिक समन्वय के साथ आरोपी शहीद खान पिता रशीद खान (उम्र 35 वर्ष) निवासी अमरपुर को गिरफ्तार कर लिया गया।

साथ ही, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल और रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। आरोपी को विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायालय डिंडौरी में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिस की विशेष भूमिका

इस कार्यवाही में एसडीओपी बजाग श्री विवेक कुमार गौतम, थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती, चौकी प्रभारी सउनि अतुल हरदहा, सउनि रामरतन झारिया, प्रआर. 297 कृष्णपाल, प्रआर. 365 भारत लाल, आर. 331 दिलीप, महिला आरक्षक 126 पूजा डंडेरवाल एवं साइबर सेल डिंडौरी टीम की त्वरित और समन्वित भूमिका सराहनीय रही।

नारी सुरक्षा और कानून का संदेश

पुलिस प्रशासन की इस तेज़ और प्रभावी कार्यवाही ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिलाओं की गरिमा के खिलाफ किसी भी तरह का अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समाज में एक सख्त संदेश गया है कि नारी अस्मिता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सांदीपनि विद्यालय धनुवासागर में समर कैंप 2025 का भव्य समापन, बच्चों ने दिखाया प्रतिभा का जादू

डिंडौरी। जिले मुख्यालय के समीपी संचालित मॉडल विद्यालय सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिंडोरी (ग्राम धनुवा सागर) में 1 मई से 20 मई 2025 तक आयोजित समर कैंप 2025 का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी के साथ शानदार ढंग से किया गया। समर कैंप का थीम "सीखें, सृजन करें एवं समाज से जुड़ें" था, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने रचनात्मकता, कलात्मकता और जीवन कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने मिट्टी और क्ले से मूर्तियाँ, पोस्टर आर्ट, ड्राइंग-पेंटिंग, सिनेरी, कहानी व निबंध लेखन, गायन-वादन, मेंहदी डिज़ाइन, सलाद रेसिपी और वेस्ट मटेरियल आर्ट जैसी अनेक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाई। पारंपरिक खेलों के साथ-साथ शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, सांप-सीढ़ी और लूडो जैसे खेलों का आयोजन हुआ, वहीं योगाभ्यास को भी नियमित दिनचर्या में शामिल किया गया।हर दिन की गतिविधियाँ एक थीम पर केंद्रित रहीं – जैसे "संस्कृति के रंग, हमारी विरासत, हमारी पहचान", "भावनाओं की समझ, आत्मविश्वास की राह", जिनके माध्यम से लोककला, पारंपरिक नृत्य, क्षेत्रीय संगीत, चित्रकला और रंगमंच से जुड़े कौशलों को बढ़ावा दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में नोडल शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें श्रीमती क्षमा पाण्डेय, श्रीमती रंजना गवले, रविन्द्र सिंह तेकाम, लक्ष्मण भवेदी, सुश्री नम्रता लोमेश, सौरभ यादव, विनय बिल्थरे और मनीष कुमार सोनी जैसे समर्पित शिक्षक शामिल रहे।

विद्यालय के प्राचार्य श्री जे.एस. मरकाम के नेतृत्व में आयोजित इस समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में 21वीं सदी के जीवनोपयोगी कौशल जैसे टीमवर्क, नेतृत्व, तार्किकता, समस्या समाधान और सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। इसके साथ ही डिजिटल और वित्तीय साक्षरता जैसे विषयों को भी विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया।कैंप के समापन समारोह में स्थानीय ग्रामीण क्षेत्र के पालकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं के छात्र अहम रजक ने मंच संचालन किया जबकि कैंप प्रभारी सुश्री नम्रता लोमेश ने आभार प्रदर्शन किया। कु. प्रिया बरौतिया को "स्टार ऑफ दी समर कैंप" घोषित किया गया।

समर कैंप विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ, जिसने न केवल उनकी प्रतिभा को निखारा, बल्कि उन्हें समाज से जुड़ने और अपने अंदर छिपे आत्मविश्वास को जगाने का भी अवसर प्रदान किया।

बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत

शहपुरा - जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत शहपुरा – अमरकंटक मार्ग पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सड़क हादसा जग्गा ढाबा के समीप उस समय हुआ जब तेज़ रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी और कुचल दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति काफी तेज़ थी और अनियंत्रित होकर बाइक को सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है, वहीं कार चालक की तलाश जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है।स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर गहरा आक्रोश है। वे प्रशासन से अमरकंटक मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों के पराक्रम को किया गया सम्मानित

शहपुरा। पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकियों पर भारतीय सेना द्वारा किए गए सफल "ऑपरेशन सिंदूर" के समर्थन में और सेना के अद्वितीय पराक्रम को सम्मान देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी मंडल शहपुरा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से पूरा बिछिया गूंज उठा। मंडल अध्यक्ष ने तिरंगा यात्रा के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन "सिंदूर" को सफल बनाकर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि हमारे जाबांज जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया, जो भारतीय सैन्य ताकत का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि यह तिरंगा यात्रा युवाओं को राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। यह यात्रा न केवल भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने का कार्य करती है, बल्कि युवाओं और बच्चों में देश प्रेम की भावनाओं को और अधिक मजबूत करती है।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष भजन चक्रवर्तीवरिष्ठ नेता मनोहर सोनी, विष्णु अवधिया, मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता, बसंत कुशराम, उपाध्यक्ष विजय साहू, अमित कछवाहा, बाबा ठाकुर, अरुण अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, संतोष अवधिया, बबलू तुलसीदास गुप्ता, हीरालाल साहू, बंटी दुबे, किशन झारिया, घनश्याम कछवाहा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कायस्थ विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कायस्थ सभा द्वारा भगवान श्री देव चित्रगुप्त का पूजन एवं माल्यार्पण के पश्चात समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वी में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राएं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में वरीयता हासिल करने वाले विद्यार्थी सम्मानित हुए। जिला कायस्थ सभा नरसिंहपुर के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने इस आयोजन के संदर्भ में बताया की कायस्थ समाज की प्रतिभाएं हर क्षेत्र में अपने बौद्धिक कौशल का परचम लहरा रही हैं। प्राप्त परीक्षा परिणाम भी उसी की मिसाल है समस्त प्रतिभाएं अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करें इसी कामना के साथ उन्हें सम्मानित किया जा रहा है सम्मानित होने वाले विद्यार्थी प्रिया श्रीवास्तव निकुंज श्रीवास्तव गाडरवारा दिव्यांश श्रीवास्तव सक्षम श्रीवास्तव करेली अंश श्रीवास्तव वत्सला श्रीवास्तव पूर्णिमा श्रीवास्तव शौर्य श्रीवास्तव नरसिंहपुर थे इस अवसर पर महिला कायस्थ सभा अध्यक्ष श्रीमती अनीता खरे, सत्येंद्र खरे बृजेश श्रीवास्तव, देवेंद्र श्रीवास्तव, भगवत नारायण श्रीवास्तव,राजेंद्र श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव सुनीता खरे चंचल श्रीवास्तव सरोज श्रीवास्तव नमिता श्रीवास्तव एवं समाज के सम्मानित चित्रांश बंधु एवं महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विवेक सक्सेना ने एवं आभार आशुतोष वर्मा ने व्यक्त किया।

भाजपा मंडल द्वारा सैनिकों के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा मंडल सिंहपुर द्वारा पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकियों पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के समर्थन और सेना के अद्वितीय पराक्रम को सम्मान देने के उद्देश्य से भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे के साथ भारतीय जनता पार्टी मंडल सिंहपुर के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय सैनिकों के सम्मान में विभिन्न मार्गो से हाथों में तिरंगा लहराते हुए तिरंगा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की फोटो पर माल्यार्पण कर भारत माता की आरती की गई। इसके बाद राष्ट्रगान किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के सिंहपुर मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह जाट ने तिरंगा यात्रा के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर देश को गौरान्वित किया है हमारे जांबाज जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया जो भारतीय सैनिक ताकत का प्रतीक है। और आगे कहा कि यह तिरंगा युवाओं को राष्ट्र प्रेम की भावना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है यह यात्रा सिर्फ भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने का नहीं बल्कि युवाओं और बच्चों में देश प्रेम की भावनाओं को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया। कार्यक्रम में उपस्थित मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र जाट डॉक्टर अनंत दुबे उपेन्द्र महाजन, शैलेंद्र शर्मा सहित भाजपा मंडल के पदाधिकारी सहित जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह जाट द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया वर्चुअली रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

श्रीधाम रेलवे स्टेशन का हुआ लोकार्पण

कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद श्री कुलस्ते

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश के 103 पुनर्विकसित स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत आने वाले पुनर्विकसित श्रीधाम रेलवे स्टेशन का वर्चुअली लोकार्पण किया। यहां आयोजित कार्यक्रम में मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते वर्चुअल रूप से शामिल हुए। विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, ब्रम्हचारी अचलानंद जी और अन्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम में पुनर्विकसित श्रीधाम रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम को देखा व सुना।

रेलवे के लिए खुशी का क्षणः श्री कुलस्ते

मंडला सांसद श्री कुलस्ते ने वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास में पहली बार अमृत भारत स्टेशन योजना देश में लागू की। इसके अंतर्गत देश के 103 पुनर्विकसित स्टेशनों के साथ- साथ श्रीधाम रेलवे स्टेशन को शामिल किया है। यह नागरिकों और रेलवे के लिए खुशी का क्षण है। प्रधानमंत्री जी ने नया भारत की जो कल्पना की है वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि रेलवे में नागरिकों की सहूलियत के लिए भारत सरकार ने कई पहल की हैं। वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

श्रीधाम विकास की धारा में आगेः श्री नागेश

विधायक श्री नागेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीधाम रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में जोड़कर रेलवे स्टेशन में फेस वन का कार्य किया गया है, जिसमें श्रीधाम रेलवे स्टेशन में अग्रभाग का स्वरूप बना है। इसके

अलावा स्टेशन में प्रतीक्षालय, अलग- अलग शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, आवागमन, सहित अन्य कार्य के साथ- साथ प्लेटफार्म नंबर 3 में चित्रकला बनाई गई हैं। इसके अलावा नया ब्रिज सहित अन्य कार्य किये जायेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि जो भी कार्य रह गया है, उसे समय सीमा में शीघ्र पूरा किया जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐसा ही सहयोग बना रहे, जिससे श्रीधाम विकास की धारा में आगे रहें।

सरकार सुविधाओं हेतु कर रही बेहतर कार्यः पटेल

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबसे सुरक्षित यात्रा रेलवे मानी जाती है। नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्र सरकार रेलवे स्टेशनों व नागरिकों की सुविधाओं के लिए बेहतर कार्य कर रही है। केन्द्र सरकार द्वारा अंडर ब्रिज व ओव्हर ब्रिज बनाने का कार्य कर रही है, जिससे नागरिकों को आवागमन में सुविधा हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस क्षेत्र में सरकार लगातार कार्य कर रही है। रेलवे स्टेशनों में लगातार जीर्णोद्धार व साफ- सफाई का लगातार ध्यान रखा जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद श्री कुलस्ते, विधायक श्री नागेश व पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने नागरिकों की सहूलियत और बच्चों को पढ़ाई के लिए इंदौर आने-जाने के लिए श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर ओव्हर नाईट एक्सप्रेस का स्टापेज करवाने की बात भी रखी। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पूनम ठाकुर, श्रीमती अंजनी सोनी, गोटेगांवखेड़ा सरपंच श्रीमती प्रियंका खेमरिया, पंकज चैकसे, संतोष दुबे, नंदराम पाठक, अभिषेक पटेल, राजकुमार जैन, धनंजय नागेश, अभिषेक सोनी, मनीष जैन, शक्ति राजपूत, एसडीएम श्रीमती देवंती परते, एडीआरएम आनंद कुमार, वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक शशांक गुप्ता, सर्वेश ठाकुर, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

लिटिल स्टार समर कैंप सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में लिटिल स्टार समर कैंप का आयोजन किया गया। सेवा केंद्र दिव्य संस्कार भवन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में 8 से 16 साल के बच्चों के लिए शारीरिक मानसिक बौद्धिक विकास हेतु ब्रकु अंजना, ब्रकु अनुपमा, ब्रकु वर्षा, कु राधा, कु सौम्या, आदि बहिनों के द्वारा विभिन्न एक्टिविटी ,फनी गेम्स ,योगा क्लास मोरल वैल्यूज, एवं मेडिटेशन आदि बच्चों को सिखाया गया। कार्यक्रम के समापन के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्य क्रम, डांसिंग पोयम एवं अन्य प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई, जिसमें विजेता बच्चों के लिए श्रद्धेय ब्रकु कुसुम दीदी एवं अतिथियों के द्वारा विभिन्न उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर बच्चों के माता-पिता अभिभावक गण भी उपस्थित रहे।

पटेल ने आयोजन की तैयारियों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल शुक्रवार को नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी के पीछे आयोजित होने वाले कृषि उद्योग समागम के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्होंने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 26 मई को प्रस्तावित भ्रमण की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड स्थल, पौधरोपण स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, ग्रीन रूम, मंच, इन्वेस्टर्स मीट, बैठक व्यवस्था आदि का मुआयना किया। साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये। विदित है कि 26 मई को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

का आगमन कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम में होने जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि एशिया महाद्वीप की सबसे ज्यादा उपजाऊ जमीन नरसिंहपुर जिले में है और यहां खेती भी अच्छी होती है। उन्होंने कहा कि हमारा अगला कदम प्रोसेसिंग की तरफ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिवसीय 26 मई से 28 मई तक कृषि उद्योग समागम मेले के आयोजन के लिए नरसिंहपुर जिले को चुना, मैं उनका आभारी हूं। इस मेले में किसान भाईयों को उन्नत खेती करने के तरीके, नई तकनीक एवं मार्गदर्शन दिया जायेगा। इन तीन दिवसों में इन्वेस्टर्स और जो अतिथि होंगे और आपस में बातचीत करेंगे और जो नतीजे में पहुंचते है, वह हमारे लिए बड़ी बात होगी। सौभाग्य की बात है कि इसमें उप राष्ट्रपति जी आ रहे हैं। सभी व्यवस्थायें पुख्ता की जा रही है। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

सींगरी नदी पथ एवं पाट सफाई अभियान में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल की विशेष मौजूदगी में जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रेरित मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा स्वयं के व्यय से प्राचीन धरोहर सींगरी नदी पथ एवं पाट की साफ- सफाई हुई। मंत्री श्री पटेल ने सिंगरी नदी के उद्गम स्थल से 5 किमी तक नदी का पथ एवं पाट अतिक्रमण मुक्त कर नदी के पुनर्जीवन के लिए पद यात्रा का शुभारंभ किया। साथ ही नदी पुनर्जीवन के लिए स्थानीय लोगों से संवाद भी किया। मंत्री श्री पटेल ने प्रेरक कहानी के माध्यम से कहा कि जो समाज से लेता है उसे याद नहीं किया जाता लेकिन जो समाज को देता है वो हमेशा याद रखा जाता है। व्यक्ति हमेशा स्वयं के लाभ के लिए लिए पूरी जिंदगी भर मेहनत करता है, जो दूसरों के लिए करें यह बड़ी बात होती है। सींगरी नदी के पुनर्रूद्धार करने का यह प्रयास शुरू हुआ। जब नदी की एक जल धारा को ठीक करेंगे, तब नदी में शुद्ध जल का बहाव होगा, तब हम नरसिंहपुर में कुछ बेहतर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज डांगीढाना जाकर मुरलीपौड़ी से चैराखेड़ा तक पैदल चलेंगे और कल यहां से समनापुर तक जायेंगे। किसानों से अपील करें कि दूषित पानी का उपयोग अपनी खेत में सिंचाई के लिए नहीं करें, आने वाले समय में गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। सींगरी नदी कब से है यह कोई नहीं जानता, हमें पीढ़ियों से इसका आशीर्वाद मिला है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि उनके पूज्यगुरू श्रीबाबाश्री जी ने बताया था कि चाहे वह नदी का संगम हो, पर्वतों, वृक्ष और मनुष्य का

संगम हो, जीवन की संभावनायें जहाँ होती है, उसे रौंदने की गलती नहीं करना। हर व्यक्ति को बेहतर जीवन की तलाश है। राज्य सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। अभियान के तहत खेत- तालाब का निर्माण, कुंओ व प्राचीन बावड़ियों की साफ- सफाई का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने तय किया है कि नदियों के उद्गम को देखा जाये। यदि छोटी नदी बारहमासी होंगी, तो बड़ी नदी भी बारहमासी होंगी। उन्होंने कहा कि हम सभी ने सींगरी नदी से कुछ न कुछ लिया है, अब सिंगरी नदी को वापिस करने का समय आ गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से निवेदन किया कि सींगरी नदी में गीष्मऋतु में पुनर्रूद्धार, बरसात के समय में पौधरोपण और बरसात उपरांत बोरी बंधान से आगे नदी में बेहतर पानी रहेगा। इस पर हम सभी बेहतर काम कर सकते हैं। हम पानी से प्यार करते हैं, लेकिन यह पानी कहां से आता है, उसका पता नहीं है। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सिविल डिफेंस वॉलेंटियर को दिया गया प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा । विगत दिवस जनपद पंचायत चाँवरपाठा परिसर में जिला प्रशासन आपदा प्रबंधन नरसिंहपुर के आदेशानुसार टी आर चौहान डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड के मार्गदर्शन में प्लाटून कमांडर वीरेंद्र सूर्यवंशी एसडीआरएफ होमगार्ड की संयुक्त टीम द्वारा 67 सिविल डिफेंस वॉलेंटियर को नागरिक सुरक्षा की 12 सेवाएं हवाई हमले के दौरान पूर्व एवं बाद में करने वाली कार्यवाहियों ब्लैक आउट की कार्यवाही में क्या करना चाहिए सायरन को विस्तार से बताया गया। इमरजेंसी के दौरान किस तरह विक्टिम को लिफ्ट मूव करना प्राथमिक उपचार पट्टी बांधना स्प्लिंट का उपयोग इंप्रोवाइज मैथड से स्ट्रेचर बनाना विक्टिम को स्टेबलाइजेड करना का प्रैक्टिकल कर बताया गया। आग बुझाने के तरीके अग्निशमन यंत्र के प्रकार एवं उपयोग करने का तरीका अन्य आपदा उपकरणों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डिप्टी कलेक्टर प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत पूजा सोनी एडीओ अजय द्विवेदी लेखापाल के के मिश्रा एवं समस्त ग्राम पंचायत के सचिव जीआरएस बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रमण संस्कृति शिविर का आयोजन

तेंदूखेड़ा इन दिनों श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में आचार्य भगवन श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर महाराज के आशीर्वाद एवं सत्प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर से आये जैन धर्म दर्शन के स्नातक विद्वान पंडित जिन्मय जैन शास्त्री एवं सहयोगी सिद्धार्थ जैन के द्वारा एवं स्थानीय विद्वान पंडित कमल कुमार शास्त्री के निर्देशन में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ ध्वजारोहण मंगल कलश स्थापना शास्त्र स्थापना एवं आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के पूजन के साथ हुआ।इसका उद्देश्य बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ साथ संस्कारों से जोडना है जिससे वे अपने धर्म संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की पहचान करके उन्हें अपने जीवन का आधार वना सके। शिविर में महावीर दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चों के साथ साथ बडी संख्या में मातायें बहिनें एवं पुरुष वर्ग भी छहढाला एवं इष्टोपदेश ग्रंथ का स्वाध्याय कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से बच्चों को विधिविधान के साथ सामूहिक पूजन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सकल दिगंबर जैन समाज के सभी वर्गों की सहभागिता शिविर में दिखाई दे रही है।

गुणवत्ता को ताक पर रखकर चल रहे निर्माण कार्य

तेंदूखेड़ा। इन दिनों कुछ ग्राम पंचायतें अपनी मनमानी पर उतारू है। पत्नी या मां सरपंच है तो पति या उनके बेटे सरपंची चला रहे हैं।नियम कानून कायदों मापदंडों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य चल रहे हैं। ऐसा ही एक मामला चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत समीपी ग्राम खमरिया बरांझ में देखने को मिला है। जहां सड़क और नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता को नजर अंदाज कर सड़क बनाई जा रही है। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम के लोगों ने बताया कि स्कूल के सामने तरफ जो सड़क बन रही है उसमें गुणवत्ता कोशों दूर है।समीप की नदी से बजरा गिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है।रेत का उपयोग कम हो रहा है।इसी तरह से कुटी के पीछे तरफ नाली निर्माण कार्य में भी व्यापक स्तर पर अनियमिताएं वरती गई है। चूंकि सड़कें या नालियां बार बार तो बनती नहीं है।कई वर्षों बाद एक ही बार बनती हैं यदि इनमें गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निर्माण करा दिया जाता है तो निर्माण कराने वाले का नाम और सड़क दोनों चलती है।इस संबंध में हमारे प्रतिनिधि के द्वारा इस पंचायत के सब इंजीनियर आशीष पटेल से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मैं इस निर्माण कार्य को जाकर प्राथमिकता के

आधार पर देख लेता हूं यदि मटेरियल में गड़बड़ी होगी मापदंडों के आधार पर काम नहीं हो रहा होगा तो काम रुकवा कर अधिकारियों को अवगत कराता हूं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को नजर अंदाज नहीं होने दूंगा।